

प्रेषक,

विनोद फोनिया,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

अपर निदेशक,

पशुपालन विभाग,

उत्तराखण्ड गोपेश्वर चमोली ।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 3 दिसम्बर, 2009

विषय: चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष राज्य सैक्टर के अन्तर्गत योजनाओं में धनराशि अवमुक्त किये जाने विषयक ।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-17/नि०/भ०नि०/रा०सै०यो०/2009-10 दिनांक 01 अप्रैल, 2009 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में मोथरोवाला, देहरादून स्थित विभागीय भूमि पर अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु वित्त विभाग के तकनीकी सम्परीक्षा प्रकोष्ठ द्वारा औचित्यपूर्ण पाई गई धनराशि रुपया 429.57 लाख के सापेक्ष शासनादेश संख्या-924/xv-1/1(17)/2008 दिनांक 30 दिसम्बर, 2008 के द्वारा रुपया 123.68 लाख प्रथम किशत के रुप में अवमुक्त की गई थी । वर्तमान वित्तीय वर्ष 2009-10 में रुपया 50.00 लाख (रुपया पचास लाख मात्र) की धनराशि द्वितीय किशत के रुप में निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय हेतु आपके निर्वतन पर प्रादिष्ट किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (1) धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहां कहीं आवश्यक हो, सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय । स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय ।
- (2) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित वाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम०-13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रुप से उपलब्ध करायी जाय ।

- (3) अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय । धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय तथा धनराशि व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों व प्रचलित शासनादेशों को ध्यान में रखा जाय।
- (4) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाये ।
- (5) कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि से मध्यनजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें ।
- (6) आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है उसी मद पर व्यय किया जाय तथा एक मद की राशि दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाये ।
- (7) निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पाई जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाये ।
- (8) जी0पी0डब्ल्यू0 फार्म-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा ।
- (9) स्वीकृत निर्माण कार्यों को तत्काल प्रारम्भ किया जाय ताकि आगणनों को पुनरीक्षित करने की आवश्यकता न पड़े । निर्माण कार्य विलम्ब से प्रारम्भ करने के परिणामस्वरूप लागत में वृद्धि होती है, तो शासन स्तर से आगणनों को पुनरीक्षित नहीं किया जायेगा । निर्माण कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराई जाय ।

2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान संख्या-28 के लेखाशीर्षक-4403-पशुपालन पर पूँजीगत परिव्यय-00-101-पशुचिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-09-पशुपालन विभाग में राज्य सैक्टर योजनान्तर्गत विभिन्न निर्माण कार्य-24-वृहद निर्माण के नामे डाला जायेगा ।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-34(P)/XXVII-4/2009 दिनांक 02 जुलाई, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

भवदीय,

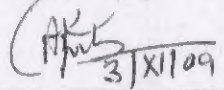
(विनोद फोनिया)

सचिव

संख्या :- 3076 (1)/xv-1/2009-तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- (1) निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु ।
- (2) निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव एवं आयुक्त को अपर मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु ।
- (3) महालेखाकार उत्तराखण्ड ।
- (4) आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी ।
- (5) उप निदेशक, पशुपालन विभाग, पशुलोक, ऋषिकेश ।
- (6) जिलाधिकारी देहरादून ।
- (7) वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून ।
- (8) प्रोजेक्ट मैनेजर, निर्माण विंग, उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, चकराता, देहरादून ।
- (9) वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन ।
- (10) राज्य योजना आयोग, देहरादून, उत्तराखण्ड ।
- (11) बजट राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून ।
- (12) निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय देहरादून ।
- (13) मीडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय ।
- (14) गार्ड फाइल ।

आज्ञा से,

(अरविन्द कुमार गुप्ता)
अनु सचिव